भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4162 जिसका उत्तर

शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024/29 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

चेन्नई - व्लादिवोस्तक समुद्री गलियारा

†4162. श्री ए. राजा :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत- मध्य पूर्व - यूरोप आर्थिक गलियारा परियोजना की स्थिति क्या है;

(ख) भारत को संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, इटली, फ्रांस और ग्रीस से जोड़ने वाली उक्त परियोजना के कब तक प्रारंभ हो जाने की संभावना है;

(ग) क्या चेन्नई - व्लादिवोस्तक समुद्री गलियारा प्रारंभ हो गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा बंगाल की खाड़ी से सुदूर पूर्व रूस तक जुड़े अन्य बंदरगाहों की स्थिति क्या है; और

(ङ) इस परियोजना से अगले तीन वर्षों में कच्चे तेल, खाद्यान्न, मशीनों आदि के परिवहन से कितनी यातायात क्षमता सृजित होने की संभावना है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत- मध्य पूर्व- यूरोप आर्थिक कॉरीडोर(आईएमईईसी) के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया जिसके बाद कॉरीडोर के सशक्तिकरण और प्रचालन के लिए सहयोग पर अंतर- सरकारी अवसंरचना करार (आईजीएफए) पर केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन दिया गया। दिनांक 10 सितंबर, 2024 को, आईएमईईसी पर भारत और यूएई के बीच अवसंरचना करार के तहत वर्चुअल ट्रेड कॉरीडोर (वीटीसी) शुरू किया गया।

(ग) और (घ): जी हां, चेन्नई - व्लादिवोस्तोक समुद्री कॉरीडोर प्रचालन में है। बंगाल की खाड़ी के साथ-साथ भारत में सभी महापत्तनों को सुदूर पूर्व से जोड़ा गया है।

(ङ): पिछले दशक में, श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन, पारादीप पत्तन, विशाखापट्टनम पत्तन, कामराजार पत्तन, चेन्नई पत्तन और वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन, जैसे पूर्वी पत्तनों ने ड्राई बल्क कार्गो में 7%, तरल बल्क कार्गो में 8% और कंटेनर कार्गो में 5% की लगातार वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) दर्शाई है और संभावना है कि यह समान स्थिति जारी रहेगी।

*****